सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 33 | जौनपुर, गुरूवार, 19 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

सेमीकंडक्टर पार्क विकसित करेगी योगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। देश में पहली बार सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू कर भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही योगी सरकार ने इस दिशा में एक और बड़ी पहल की है। इस पहल के तहत योगी सरकार यूपी के ग्रेटर नोएडा स्थित जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अब उत्तर प्रदेश का पहला सेमी कंडक्टर पार्क स्थापित करने जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अंतर्गत सेक्टर 10 और सेक्टर 28 में सेमीकंडक्टर पार्क को स्थापित किए जाने की योजना है। इस पहल के माध्यम से देश और दुनिया की बड़ी चिप निर्माता कंपनियां उत्तर प्रदेश में अपने उद्यम लगाने के लिए आकर्षित होंगी। साथ ही, व्यापक पैमाने पर यूपी के युवाओं के लिए रोजगार का भी सृजन हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री लगाने के लिए निवेशकों को प्रोत्साहित करने हेतु योगी सरकार ने सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू की है, जिसके जरिए बड़े पैमाने पर राहत प्रदान की जा रही है। सेमीकंडक्टर पार्क्स के साइलेंट फीचर्स की बात करें तो इसके तहत यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने दो सेमीकंडक्टर क्लस्टर्स के लिए भूमि चिह्नित की है। पहली सेक्टर 10 में 200 एकड़, जबकि दूसरी सेक्टर 28 में 125 एकड़ भूमि शामिल है। इन दोनों क्लस्टर्स में यीडा 8 एमएलडी का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करेगी, जबकि 60 एमएलडी का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाया जाएगा। क्लस्टर्स को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 400/ 200/ 132 केवी सब स्टेशन भी स्थापित किए जाने की योजना है। सेमीकंडक्टर पार्क्स में निवेश करने वाले उद्यमियों को मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। सेक्टर 10 और 28 में स्थापित होने वाले इन क्लस्टर्स की नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दूरी मात्र 4 किमी. की है।

वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव को सरकार ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही खबर यह भी है कि शीतकालीन सत्र के दौरान इसको लेकर सरकार एक विधेयक पेश करेगी। आपको बता दें कि सरकार ने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति बनाई थी जिसमें गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल थे। अब रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। ऐसे में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि 2029 तक सरकार और देश वन नेशन वन इलेक्शन कर बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के दौरान एक राष्ट्र, एक चुनाव की वकालत करते हुए तर्क दिया था कि बार-बार चुनाव देश की प्रगति में बाधाएं पैदा करते हैं। उन्होंने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का जिक्र करते हुए कहा कि इस बारे में देश में व्यापक चर्चा हुई है, सभी राजनीतिक दलों ने अपने विचार रखे हैं और इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट में तैयार की है। वन नेशन, वन इलेक्शन के लिए देश को आगे आना होगा।

21 सितंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकती हैं आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा के बाद दिल्ली में आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार फिर से बनने जा रही है। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इसके बाद आतिशी ने सरकार बनाने के लिए अपना दावा पेश किया था। जो खबर आ रही है उसके मुताबिक के दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राष्ट्रपति तथा गृह मंत्रालय को पत्र भेज दिया है। इस पत्र में 21 सितंबर 2024 को आतिशी को सीएम पद की शपथ दिलाने की तिथि प्रस्तावित की गई है। हालांकि, यह सूत्रों की ओर से मिल रही। जानकारी के मुताबिक है अब तक आधिकारिक तौर पर यह नहीं बताया गया है कि आतिशी किस दिन शपथ लेंगी। केजरीवाल ने रविवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी।उन्होंने तब कहा था कि वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तभी बैठेंगे, जब जनता उन्हें ''ईमानदारी का प्रमाणपत्र'' देगी। आबकारी नीति 'घोटाले' में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे और पिछले सप्ताह जेल से रिहा हुए आप सुप्रीमो ने मंगलवार शाम को उपराज्यपाल सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

आतिशी (43) दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। उनसे पहले भाजपा नेता सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित इस पद पर रह चुकी हैं। पार्टी विधायकों की सर्वसम्मति से दिल्ली की मुख्यमंत्री नामित किए जाने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में आतिशी ने कहा कि यह मिलीजुली भावनाओं वाला क्षण है, क्योंकि एक तरफ खुशी है लेकिन दूसरी तरफ लोकप्रिय मुख्यमंत्री केजरीवाल के इस्तीफा देने का अत्यंत दुख भी है।

चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना वन नेशन वन इलेक्शन का उद्देश्य- जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। नड्डा ने आगे लिखा कि राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव कराने की मौजूदा प्रणाली विकास प्रयासों में बाधा डालती है और राष्ट्रीय खजाने पर बोझ डालती है। एक राष्ट्र, एक चुनाव को अपनाने से सरकार पर चुनाव संबंधी खर्च और वित्तीय बोझ कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने लिखा कि इस ऐतिहासिक निर्णय का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय लोकतंत्र ने एक राष्ट्र-एक चुनाव की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक राष्ट्र-एक चुनाव को दी गई स्वीकृति का मैं समस्त मध्य प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक स्वागत करता हूं। इस पहल से न केवल भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों व आदर्शों को और अधिक मजबूती मिलेगी, बल्कि यह हमारी संसदीय प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार भी साबित होगा। यादव ने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि आज के इस निर्णय के साथ भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में की गई एक और महत्वपूर्ण घोषणा साकार होने जा रही है। इस ऐतिहासिक कदम के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार और सभी देशवासियों को बधाई। गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए सुधार लाना और लागू करना प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में एक साथ चुनाव यानी एक राष्ट्र एक चुनाव पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। सबसे बड़े चुनाव सुधार सरकारों के लिए स्थिरता, निर्धारित शर्तें और संसाधनों की बचत लाएंगे। मैं इस फैसले का तहे दिल से स्वागत करता हूं।

वन नेशन वन इलेक्शन पर पायलट ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि ऐसे कई मुद्दे हैं जिन्हें भारत सरकार लाने की कोशिश करती है और अंततः वे यू-टर्न ले लेते हैं क्योंकि संसद में संख्या पर्याप्त नहीं होने के कारण उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह उन मुद्दों में से एक है जिसे केवल लोगों के दिमाग और ध्यान को भटकाने के लिए लाया जा रहा है। आज जम्मू और कश्मीर में मतदान का पहला चरण है। वे हरियाणा की तरह राज्य में पिछड़ रहे हैं। पायलट ने कहा कि इसलिए मुझे लगता है कि लोगों के दिमाग को भटकाने और किसी तरह का ध्यान भटकाने के लिए वे इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं। संसद की मौजूदा संरचना के साथ ऐसा करना उनके लिए संभव नहीं है, लेकिन उन्होंने इसे कैबिनेट में पारित कर दिया है। उन्होंने पहले भी यू-टर्न लिए हैं। यह भी एक यू-टर्न होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की व्यवस्था व्यवहारिक नहीं है तथा भारतीय जनता पार्टी चुनाव के समय इसके जरिये असल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश करती है। उन्होंने यह भी कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव की व्यवस्था' चलने वाली नहीं है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, यह व्यवहारिक नहीं है, चलने वाला नहीं है...चुनाव के समय जब मुद्दे नहीं मिल रहे तो असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की बातें करते हैं। उल्लेखनीय है कि मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे को रखा गया है।

ऐतिहासिक चुनाव सुधारों की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है भारत - शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार 18 सितंबर को एक देश, एक चुनाव नीति पर बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट ने फैसला किया है कि इस बिल को अगले सत्र में संसद में पेश किया जाएगा और पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा। इसी को लेकर भाजपा नेताओं के बयान भी सामने आने लगे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत परिवर्तनकारी सुधारों का गवाह बन रहा है। आज, इस दिशा में, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के साथ, भारत ऐतिहासिक चुनाव सुधारों की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्वच्छ और वित्तीय रूप से कुशल चुनावों के माध्यम से हमारे लोकतंत्र को मजबूत करने और संसाधनों के अधिक उत्पादक आवंटन के माध्यम से आर्थिक विकास में तेजी लाने की मोदी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं बहुत खुश हूँ। केंद्रीय कैबिनेट ने आज देशहित में एक बड़ा फैसला लिया है। मैं सभी राजनीतिक दलों से अपील करता हूं कि वे इसमें राजनीति न करें और राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका स्वागत किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि एक समृद्ध लोकतंत्र के लिए राजनीतिक स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दिल्ली के बाद केरल में भी मिला मंकीपाक्स का केस

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि राज्य के उत्तरी मलप्पुरम जिले में इलाज करा रहे 38 वर्षीय व्यक्ति में मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) संक्रमण की पुष्टि हुई है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने फेसबुक पोस्ट के जरिए जानकारी देते हुए कहा कि हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात से राज्य में आया यह व्यक्ति पहले से ही एमपॉक्स के लक्षणों के साथ एक अस्पताल में भर्ती था। जॉर्ज ने विदेश से आने वाले लोगों से अनुरोध किया कि वे किसी भी लक्षण के बारे में उन्हें सूचित करें और जल्द से जल्द उपचार लें। उन्होंने कहा कि लक्षण दिखने पर व्यक्ति ने एहतियाती कदम उठाते हुए खुद को अपने परिवार से अलग कर लिया था और फिलहाल वह मंजेरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। व्यक्ति के नमूने जांच के लिए भेजे गए और बुधवार को रिपोर्ट में उसके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। डब्ल्यूएचओ ने पिछले महीने अफ्रीका के कई हिस्सों में इसकी व्यापकता और प्रसार को देखते हुए दूसरी बार एमपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया था। एमपॉक्स संक्रमण आम तौर पर केवल पीड़ित तक सीमित रहता है। यह दो से चार सप्ताह तक रहता है और इसके रोगी आमतौर पर चिकित्सा देखभाल से स्वस्थ हो जाते हैं। यह संक्रमित रोगी के साथ लंबे समय तक और निकट संपर्क में रहने से फैलता है।

वन नेशन वन इलेक्शन पर मायावती का रुख दिखा सॉफ्ट

लखनऊ, संवाददाता। मोदी सरकार 3.0 के 100 दिन पूरे होने के बाद अब मोदी कैबिनेट की तरफ से बड़ा ऐलान कर दिया गया। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। बताया जा रहा है कि एक साथ चुनाव कराने के लिए विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। विपक्षी दलों की तरफ से इसको लेकर टिप्पणी भी सामने आने लगी है। वहीं बसपा ने बीजेपी के एक देश एक चुनाव का समर्थन किया है। बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट करते हुए कहा कि एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था के तहत देश में लोकसभा, विधानसभा व स्थानीय निकाय का चुनाव एक साथ कराने वाले प्रस्ताव को केन्द्रीय कैबिनेट द्वारा आज दी गयी मंजूरी पर हमारी पार्टी का स्टैण्ड सकारात्मक है, लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना जरूरी है। कोविंद समिति की सिफारिश के अनुसार 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

सभी दलों के साथ सहमति से ही लागू होगा वन नेशन, वन इलेक्शन - अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वन नेशन, वन इलेक्शन पर कोविंद समिति की सिफारिशों को मंजूरी दे दी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति ने 14 मार्च 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कोविंद समिति की सिफारिशों को मंजूरी मिली। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद मीडिया को यह जानकारी दी। कोविंद समिति का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। समिति ने 191 दिन तक राजनीतिक दलों तथा विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा के बाद 18,626 पन्नों की रिपोर्ट तैयार की थी। आठ सदस्यीय समिति ने आम लोगों से भी राय आमंत्रित की थी। आम लोगों की तरफ से 21,558 सुझाव मिले। इसके अलावा 47 राजनीतिक दलों ने भी अपने राय और सुझाव दिए, जिनमें 32 ने इसका समर्थन किया था। कुल 80 प्रतिशत सुझाव श्वन नेशन, वन इलेक्शनश के पक्ष में आए थे। समिति ने देश के प्रमुख उद्योग संगठनों और अर्थशास्त्रियों के भी सुझाव लिए थे। वन नेशन, वन इलेक्शन के बारे में चर्चा सबसे पहले 1999 में शुरू हुई, जब विधि आयोग ने अपनी 170वीं रिपोर्ट में लोकसभा और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव हर पांच साल पर एक साथ कराने का सुझाव दिया। कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय पर संसदीय की स्थायी समिति ने 2015 में अपनी 79वीं रिपोर्ट में दो चरणों में एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। कोविंद समिति ने भी दो चरणों में लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव कराने का सुझाव दिया है। पहले चरण में लोकसभा और राज्यसभा के चुनाव एक साथ कराए जाने का प्रस्ताव है, दूसरे चरण में 100 दिन के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराने का प्रस्ताव है।

संक्षिप्त खबरें

वन नेशन वन इलेक्शन चुनावी हथकंडा, जनता स्वीकार नहीं करेगी – खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे अव्यावहारिक बताया। उन्होंने एक साथ चुनाव के प्रस्ताव को मंजूरी को चुनाव से पहले एक चुनावी हथकंडा करार देते हुए कहा, जब चुनाव आते हैं, तो वे (भारतीय जनता पार्टी) ये सब बातें कहते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता भी इसे स्वीकार नहीं करेगी। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दिये जाने के बाद आयी है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाले एक पैनल ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले मार्च में रिपोर्ट सौंपी थी। खड़गे ने कहा कि हम इसके साथ नहीं खड़े हैं। लोकतंत्र में एक देश एक चुनाव नहीं चल सकता। यदि हम चाहते हैं कि हमारा लोकतंत्र जीवित रहे तो आवश्यकता पड़ने पर चुनाव कराने होंगे। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस देश में यह बिल्कुल भी व्यावहारिक नहीं है। वे मौजूदा मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहते हैं। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि एक देश, एक चुनाव नहीं हो सकता, कानून में संशोधन करना होगा और उनके पास कानून में संशोधन के लिए पर्याप्त बहुमत नहीं है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में पहले चरण के मतदान के बीच फर्स्ट टाइम वोटर्स दिखे उत्साहित

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, जिसे लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। खासकर, पहली बार मतदान करने जा रहे वोटर्स में यह उत्साह अपने चरम पर है। नगरोटा में पहली बार वोट देने आए मतदाताओं ने आईएएनएस से बात की। फर्स्ट टाइम वोटर कोमल दत्त ने बताया कि यह वोट हमारे लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, "मतदान हम जैसे युवाओं के लिए बहुत जरूरी है। यह हमारे भविष्य की रूपरेखा निर्धारित करने की दिशा में अहम भूमिका निभाता है। जितनी अच्छी सरकार रहेगी, हमें उतनी ही ज्यादा मदद मिलेगी। सुचारू सुविधाएं मिलेंगी, लेकिन इसके लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम सभी वोट देने पहुंचे। वोट देने के दौरान हमने अपने मुद्दों का विशेष ख्याल रखा है, जिसे देखते हुए हमने वोट किया है। एक अन्य मतदाता मयूर खर ने आईएएनएस से बातचीत में पहली बार वोट देने को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, "हम अपना वोट देने को लेकर खासे उत्साहित हैं।

संपादकीय

ईरान और हिंदुस्तान

ईरान और भारत के बीच अच्छे रिश्तों के बाद भी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई द्वारा मुसलमानों को प्रताड़ित किए जाने वाले देशों की सूची में भारत का नाम लेना सभी के लिए चौंकाने वाला है, वह भी तब कि जब ईरान पर अमेरिका द्वारा लगाए कठोर आर्थिक प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर भारत ने ईरान से व्यापारिक रिश्ते न सिर्फ कायम रखे, बल्कि उन्हें मजबूती दी है। ज्यादा हैरानी की बात है कि कथित मुस्लिम प्रताड़ना वाले देशों में उन्होंने उस चीन का नाम नहीं लिया है, जहां उइगुर मुसलमानों को नमाज पढ़ने और रोजे रखने तक की इजाजत नहीं है और जिनका बेखौफ चीनीकरण किया जा रहा है। तो क्या खामेनेई का भारत पर आरोप लगाना भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने की सोची समझी चाल है, भारत के साथ ईरान की एहसान फरामोशी है या फिर ऐसे बयान देकर खुद को दुनिया में मुसलमानों का एकमात्र मुसलमानों का नेता साबित करने की मंशा है?

गौरतलब है कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिन पर आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीड़ित हैं। खामेनेई ने 16 सितंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा झेलनी पड़ रही है। इस पर भारतीय भारतीय विदेश मंत्रालय ने तत्काल कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम खामेनेई के बयान की निंदा करते हैं। यह अस्वीकार्य और पूरी तरह से भ्रामक है।

भारत की प्रतिक्रिया और ईरान

विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल्पसंख्यकों के मामले पर कमेंट करने वाले देशों को पहले अपने रिकॉर्ड को देखना चाहिए। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बयान को 'एक्स' पर शेयर भी किया। इसके पूर्व एक कमेंट में खामेनेई ने लिखा था– दुनिया के मुस्लिमों को भारत, गाजा और म्यांमार में रह रहे मुस्लिमों की तकलीफ से अनजान नहीं रहना चाहिए। अगर आप उनकी पीड़ा को नहीं समझ सकते तो आप मुस्लिम नहीं हैं। खामेनेई ने आरोप लगाया कि इस्लाम के दुश्मन मुस्लमानों में फूट डालते आए हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि जब खामेनेई भारतीय मुसलमानों के खैरख्वाह बने हैं। खामेनेई ने 2020 के दिल्ली दंगों के बाद कहा था कि भारत में मुस्लिमों का नरसंहार हुआ है। भारत सरकार को कट्टर हिंदुओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। सरकार को मुस्लिमों का नरसंहार बंद करना होगा, नहीं तो इस्लामी दुनिया उनका साथ छोड़ देगी। कश्मीर के मुद्दे पर भी खामेनेई कई बार विवादित बयान देते आए हैं। साल 2017 में खामेनेई ने कश्मीर की तुलना गाजा, यमन और बहरीन से की थी। 5 अगस्त 2019 को जम्मू–कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के कुछ दिन बाद खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा था– हम कश्मीर में मुस्लिमों की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। खामेनेई 1980 में जम्मू–कश्मीर का दौरा भी कर चुके हैं। कश्मीर मामले में ईरान का रवैया भारत विरोधी ही रहता आया है। इसी साल यानी 2024 में जब ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी अप्रैल में अपने पहले पाकिस्तान दौरे पर गए थे तो दोनों देशों के साझा बयान में कश्मीर का जिक्र था। इस पर भारत ने ईरान के सामने आपत्ति जताई थी। इन सबके बावजूद भारत ने ईरान के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों में खामेनेई के बयानों और ईरान के रवैये को आड़े नहीं आने दिया और ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक रिश्तों को ध्यान में रखते हुए आपसी सम्बन्ध बेहतर बनाने पर ही जोर दिया है। जहां तक भारत में मुसलमानों की कथित प्रताड़ना की बात है तो यह धारणा तथ्यों से विपरीत है। स्थानीय कारणों से होने वाले विवाद अथवा राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को देश के 24 करोड़ मुसलमानों की प्रताड़ना से जोड़ना एक सोची समझी और दुर्भावनापूर्ण रणनीति है। गाजा में जो इजराइल कर रहा है, या म्यानमार की सैनिक सरकार वहां रोहिंग्या मुसलमानों के साथ जो सलूक कर रही है, उसके कारण अलग हैं। वैसे भी फिलीस्तीन मामले में भारत दो राष्ट्र नीति का समर्थक रहा है। हम चाहते हैं कि फिलीस्तीन और इजराइल दोनो राष्ट्र रहें। इजराइल और ईरान के बीच कट्टर दुश्मनी है। इसका कारण इजराइल को अमेरिका का अंधा समर्थन और ईरान की परमाणु शक्ति बनने की अदम्य इच्छा। इससे भी बड़ा कारण ईरान की इस्लामिक जगत का नया लीडर बनने की तमन्ना है। वैसे भी आज दुनिया के 57 मुस्लिम देशों का नेतृत्व करने और खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी सिद्ध करने की चार देशों में होड़ मची है। ये हैं – सउदी अरब, जो खुद को मुसलमानों का स्वाभावित नेता मानता है। दूसरा है, तुर्की जो हाल के वर्षों में मुस्लिम कट्टरपंथ की तरफ झुका है। तीसरा है मलेशिया, जिसने सउदी अरब की मर्जी के खिलाफ जाकर मुस्लिम देशो को इकट्ठा करने की कोशिश की थी। अब इसमें ईरान का नाम भी शामिल हो गया है। इन चारो देशों में भी ईरान अकेला शिया बहुल देश है। पिछले दिनों चीन ने मध्यस्थता कर ईरान और सुन्नी बहुत सउदी अरब के बीच समझौता कराके दुनिया को चौंकाया था। हालांकि, इससे दोनो चिर प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच रिश्ते बहुत मधुर हो गए हैं, ऐसा नहीं है। खामेनेई के बयान के पीछे भारत और सउदी अरब के मधुर रिश्ते भी कारण हो सकते हैं। खामेनेई का भारतीय अल्पसंख्यक मुस्लिमों के प्रति प्रेम सही भी हो सकता था, अगर खुद ईरान में अल्पसंख्यकों के साथ मानवीय व्यवहार होता। मुस्लिम भाईचारे के तमाम दावों के बाद जमीनी हकीकत यह है।

किसानों की आय में कोई वृद्धि नहीं हुई

आदित्य

जयपुर जिले की बस्सी तहसील में मुख्य सड़क से लगभग 2 किमी दूर पीलिया गांव में 27 बीघा (लगभग 17 एकड़) खेत है – जो बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के आकार का है। मालिक कजोड़मल शर्मा मुझे कीचड़ से लथपथ रास्ते से ले जाते हैं, जो भारी बारिश के एक दिन बाद अब फिसलन भरा और खतरनाक हो गया है, वे जमीन के हर इंच को जानने के साथ–साथ परिचितता के साथ आगे बढ़ते हैं। राजस्थान में बाजरा उगाने वाले कई किसानों में से एक शर्मा कहते हैं, "मैं अपनी जमीन के इस ख्छह एकड़, हिस्से पर बाजरा उगाता हूं।" देश के बाजरा उत्पादन में 30: से अधिक की हिस्सेदारी के साथ राजस्थान भारत का सबसे अधिक बाजरा उत्पादक राज्य है – एक श्रेणी जिसमें बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो और अन्य फसलें शामिल हैं। शर्मा गर्मियों में लगभग 35 क्विंटल बाजरा उगाते हैं (एक क्विंटल 100 किलोग्राम होता है), और इसे एक निजी बिचौलिए को 1,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बेचते हैं, जो फिर इसे एक व्यापारी को बेचता है, जो इसे संसाधित करता है और इसे शहरी बाजार के लिए तैयार करने के लिए आगे बेचता है। शर्मा कहते हैं, लंबे समय से, मुझे बाजरे के लिए 1,700 रुपये प्रति क्विंटल का रिटर्न मिल रहा है, और पिछले साल भी इसमें कोई बदलाव नहीं आया है, जो अभी भी अपनी उपज को सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) पर नहीं बेच पाए हैं। वे कहते हैं, ष्उन्होंने डैच घोषित किया है, लेकिन यह यहाँ काम नहीं कर रहा है। जून 2024 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विपणन सत्र 2024–25 के लिए सभी अनिवार्य खरीफ फसलों के लिए MSP को मंजूरी दी। बाजरे के लिए, MSP 2,625 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई, जो शर्मा की कमाई से 54% अधिक और पिछले वर्ष से 125 रुपये की वृद्धि है। पीलिया गांव के एक अन्य किसान लल्लू लाल बताते हैं कि वे बाजरा कम उगाते हैं और सब्जियों तथा अन्य फसलों पर अधिक ध्यान देते हैं क्योंकि ये जल्दी बिक जाती हैं और बेहतर आय प्रदान करती हैं। वे बताते हैं कि यदि वे केवल बाजरा उगाते, तो जीविका चलाना मुश्किल हो जाता क्योंकि इसकी मांग बहुत कम है। जब वे बाजरा मंडी में ले जाते हैं, तो कीमत लगातार कम रहती है, जिससे यह लाभहीन हो जाता है। शहरी भारत में बाजरा महंगा क्यों है? जब यह लचीली फसल, जिसे कम से कम पानी की आवश्यकता होती है और जिसे उगाना आसान है, पैकेज्ड उत्पाद के रूप में बाजार में पहुंचती है, तो यह महंगी हो जाती है। उदाहरण के लिए, मैदा नूडल्स के 70 ग्राम के पैकेट की कीमत 14 रुपये है, गेहूं के नूडल्स के 75 ग्राम के पैकेट की कीमत 26 रुपये है, जबकि बाजरा नूडल्स के 57 ग्राम के पैकेट की कीमत 35 रुपये है। तो, शहरी क्षेत्रों में पहुंचने पर इस साधारण अनाज की कीमत में क्या वृद्धि होती है? जयपुर के व्यापारी गिरीश खंडेलवाल, जो बस्सी तहसील की मंडी में बैठते हैं, कहते हैं, ष्बाजार में पहुँचने से पहले प्रसंस्करण, परिवहन और मूल्य संवर्धन के कारण बाजरा महंगा होता है। वे राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों से ज्वार और बाजरा खरीदते हैं। अंतर्राष्ट्रीयअर्ध– शुष्क उष्णकटि

बंधीय फसल अनुसंधान संस्थानमें सक्षम प्रणाली परिवर्तन पर वैश्विक अनुसंधान कार्यक्रम के उप निदेशक और वैज्ञानिक शैलेंद्र कुमार कहते हैं, वास्तव में यह सब जितना दिखता है, उससे कहीं अधिक जटिल है। .. कुमार, जो ICRISAT में बाजारों, संस्थानों और नीतियों के लिए क्लस्टर लीडर भी हैं, बताते हैं कि टूटी हुई मूल्य श्रृंखला और असंगत मांग उपभोक्ताओं के लिए बाजरा उत्पाद ढूँढना मुश्किल बनाती है और निवेश को हतोत्साहित करती है। नतीजतन, छोटे व्यवसाय और स्टार्ट–अप बाजरा क्षेत्र में सफल होने के लिए संघर्ष करते हैं। हैदराबाद में रहने वाले कुमार बताते हैं कि उत्तर भारत से हैदराबाद आने वाले गेहूँ के आटे की कीमत खेत स्तर पर लगभग 22–23 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन शहर में इसे लगभग 55 रुपये प्रति किलोग्राम बेचा जाता है। इसके विपरीत, स्थानीय रूप से उत्पादित ज्वार किसानों को लगभग 18–23 रुपये प्रति किलोग्राम मिलता हैय फिर भी इसे 100 रुपये प्रति किलोग्राम में बेचा जाता है। आस–पास उगाए जाने के बावजूद, कीमत में काफी अंतर है। वह आगे बताते हैं कि हालाँकि शहरी भारत में बाजरा के बारे में चर्चा बढ़ रही है, लेकिन वे अभी तक लोगों के आहार का नियमित हिस्सा नहीं बन पाए हैं। नोएडा स्थित स्टार्ट–अप मिलेट्स फॉर हेल्थ के सह–संस्थापक राजीव पांडे कहते हैं, बहुत से लोग यह नहीं समझते हैं कि प्रसंस्करण के दौरान बाजरा का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो जाता है, जिससे लागत बढ़ जाती है। चावल की तुलना में बाजरे के छिलके उतारने के दौरान नुकसान चार गुना अधिक होता है। भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक दयाकर राव बी. इस बात पर जोर देते हैं कि ग्रामीण खपत में वृद्धि की आवश्यकता है। वे कहते हैं, ष्बाजरे के लिए उच्च उपभोक्ता मूल्य तकनीकी अंतराल और अकुशल प्रसंस्करण का परिणाम है। लागत कम करने और किसानों की लाभप्रदता बढ़ाने के लिए मशीनरी और तकनीकों में सुधार करना महत्वपूर्ण है। कुमार का मानना है कि मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक चरण में खर्च बढ़ता है, कई उद्योग खिलाड़ी जानबूझकर केवल उपचार के लिए भोजन उपलब्ध कराकर उच्च उपभोक्ता अधिशेष पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

गंभीर चिंता का संभावित स्रोत

विनोद

आतंकवादी वित्तपोषण से संदिग्ध संबंधों के बावजूद एचएसबीसी द्वारा सेवा प्राप्त तीसरा बैंक ढाका में स्थित सोशल इस्लामी बैंक लिमिटेड है। एसआईबी लिमिटेड की स्थापना 1995 में हुई थी, जिसने 2009 में अपना नाम सोशल इन्वेस्टमेंट बैंक लिमिटेड से बदल लिया। यह पूरे बांग्लादेश में 76 शाखाएँ संचालित करता है और जमा, ऋण, निवेश सलाह, वाणिज्यिक वित्तपोषण, विदेशी मुद्रा और वायर ट्रांसफर सहित कई प्रकार की व्यक्तिगत और वाणिज्यिक बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है और इसके शेयरों का बांग्लादेशी स्टॉक एक्सचेंजों में कारोबार होता है। मई 2012 तक, बैंक के प्रमुख संवाददाताओं में से एक था, जो इसे कई देशों में सेवाएँ प्रदान करता था। एचएसबीसी का ढाका में स्थित एक सहयोगी भी है, जिसे एचएसबीसी बैंक एशिया पैसिफिक कहा जाता है। एचबीएपी ने एसआईबी को एचबीयूएस से मिलवाया। जब एचएसबीसी ने पहली बार 2003 में खाता खोलने की कोशिश की, तो उसने एचएसबीसी एफआईजी से बैंक पर एक बढ़ी हुई परिश्रम रिपोर्ट मांगी। यह देखते हुए कि बांग्लादेश एक उच्च जोखिम वाला देश है, परिणामी एफआईजी रिपोर्ट में बैंक के कुछ मालिकों और अधिकारियों के बारे में प्रतिकूल जानकारी थी। सबसे गंभीर आरोप यह थे कि दो शेयरधारकों, इस्लामिक चौरिटेबल सोसाइटी लाजनत अल–बिर अल इस्लाम का आतंकवाद से संबंध था। आईआईआरओ के पास तब कुल बकाया शेयरों का 8.62 प्रतिशत हिस्सा था, और यह बैंक का सबसे बड़ा एकल शेयरधारक था, जबकि एलबीएआई के पास 1.54 प्रतिशत शेयर थे। दो शेयर धारकों के बारे में 2003 की थ्ळ रिपोर्ट से पता चला कि आईआईआरओ एक सऊदी अरब की चौरिटी है, और इसका नाम 11 सितंबर, 2001 के आतंकवादी हमलों के पीड़ितों के परिवार के सदस्यों की ओर से 2002 में लाए गए मुकदमे में था। IIRO पर 1998 के अफ्रीकी दूतावास बम विस्फोटों के लिए आतंकवादियों को धन मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और 1993 के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बम विस्फोट में आतंकवादियों को वित्तपोषित करने और सहायता करनेश में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। आईआईआरओ ने कथित तौर पर अल–कायदा के साथ–साथ इसके कई उपग्रह समूहों को भी सीधे तौर पर वित्तपोषित किया है। ओसामा बिन लादेन के बहनोई मोहम्मद जमाल खलीफा ने 1990 के दशक में आईआईआरओ की फिलीपीन शाखा का नेतृत्व किया था। फिलीपीन सरकार ने आरोप लगाया है कि समूह ने वहां आतंकवादी कारणों में योगदान दिया। एलबीएआई की स्थापना 1987 में हुई थी। लाजनत अल–बिर अल इस्लामिया बेनेवोलेंस इंटरनेशनल फाउंडेशन का मूल नाम था, और इसके मूल रूप से सऊदी अरब और पाकिस्तान में कार्यालय थे। अमेरिकी सरकार के अनुसार, एलबीएआई के उद्देश्यों में अफगानिस्तान में लड़ रहे मुजाहिदीन को सहायता प्रदान करने के लिए सऊदी अरब में धन जुटाना, साथ ही लड़ाकों को पाकिस्तान में आने–जाने और आव्रजन स्थिति प्राप्त करने के लिए कवर प्रदान करना शामिल था। बेनेवोलेंस इंटरनेशनल आतंकवाद से जुड़ा हुआ है और इसके निदेशक इनाम अर्नौत पर 2002 में अल–कायदा को एक दशक तक गुप्त रूप से वित्तीय और रसद सहायता प्रदान करके अपने समूह के दाताओं को धोखा देने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। एफआईजी ने कहा कि यह महत्वपूर्ण चिंता का विषय है कि एसआईबी के प्रमुख शेयरधारक, इंटरनेशनल इस्लामिक रिलीफ ऑर्गनाइजेशन पर फिलीपींस और अमेरिका दोनों में आतंकवादी समूहों को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया गया है। समूह एफबीआई द्वारा जांच के दायरे में है। बैंक के एक अन्य शेयरधारक, एलबीएआई के पास 1.54% की हिस्सेदारी है, जो आतंकवादी समूहों से जुड़ा हुआ है। जबकि 2003 की एफआईजी रिपोर्ट ने एसआईबी के बारे में महत्वपूर्ण प्रतिकूल जानकारी प्रदान की और उल्लेख किया कि एलबीएआई बेनेवोलेंस इंटरनेशनल फाउंडेशन का मूल नाम था, जो आतंकवाद से जुड़ा हुआ था, यह बताने में विफल रहा कि 2002 में, अमेरिका ने बेनेवोलेंस इंटरनेशनल फाउंडेशन को आतंकवाद के वित्तपोषक के रूप में नामित किया था, जिसके साथ अमेरिकी व्यक्तियों को व्यापार करने से प्रतिबंधित किया गया है। 2003 में, एसआईबी का आंशिक स्वामित्व आतंकवादी वित्तपोषण से जुड़े दो संगठनों के पास था। फिर भी, 14.10.2003 को, एचबीयूएस एएमएल कंप्लायंस ने एसआईबी को एचबीयूएस पीसीएम क्लाइंट के रूप में मंजूरी दे दी। एक उच्च जोखिम वाले देश में बैंक के स्थान के बावजूद, इसके दो शेयरधारकों और एक निदेशक के संबंध में आतंकवादी संबंधों का पता चला, एचबीयूएस ने बैंक को एससीसी क्लाइंट के रूप में नामित किए बिना खाता खोला, जो अतिरिक्त निगरानी और उचित परिश्रम की आवश्यकता थी। 2005 की फिर से आईआईआरओ को आतंकवाद से जुड़ा हुआ बताया, जिसमें कहा गया कि इस पर श्अतीत में अलकायदा जैसे आतंकवादी समूहों को धन मुहैया कराने का आरोप है, और श्इस पर फिलीपींस में अलकायदा के संचालन के लिए कवर के रूप में काम करने का आरोप है। प्रेस में जिस आवृत्ति के साथ समूह आतंकवादी वित्तपोषण से जुड़ा हुआ है, उसके आधार पर यह संभावना है कि उनकी गतिविधियाँ हमेशा जांच के दायरे में रहेंगी, और समूह के खिलाफ भविष्य में सरकारी प्रतिबंध अत्यधिक संभावित हैं। एफआईजी रिपोर्ट ने दृढ़ता से अनुशंसा की कि खाते को तब तक अनुमोदित नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि वरिष्ठ अनुपालन प्रबंधन के साथ मामले पर चर्चा नहीं की जाती।

बहुत कुछ करने की आवश्यकता

ललित

पिछले हफ्ते जिनेवा में बोलते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारतीय और चीनी सेनाओं ने उनके द्वारा वर्णित विघटन–संबंधी समस्याओं में से लगभग 75% का समाधान कर लिया है, चार साल से अधिक समय बाद घातक झड़पों के कारण पड़ोसियों के बीच विवादित सीमा पर तनाव में नाटकीय वृद्धि हुई थी। एक दिन बाद, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों सेनाओं ने हाल के वर्षों में सीमा पर चार स्थानों पर विघटन किया है। टिप्पणियां हाल के हफ्तों में एशियाई दिग्गजों के बीच गहन कूटनीति के बाद भारत और चीन के बीच विवादित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तापमान को ठंडा करने के प्रयासों में प्रगति का संकेत देती हैं। जुलाई में, श्री जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से दो बार मुलाकात की थी – पहली बार अस्ताना, कजाकिस्तान में और फिर विएंतियाने, लाओस में फिर भी, जैसा कि श्री जयशंकर ने जिनेवा में बोलते हुए स्वीकार किया, सीमा पर शांति वापस लाने के लिए अभी भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है, जिसने 2020 की झड़पों से पहले दशकों तक एक भी मौत नहीं देखी थी। अधिक पारदर्शिता एक अच्छी शुरुआत होगी। पिछले चार वर्षों में कई रिपोर्टों ने सुझाव दिया है कि चीन ने इस अवधि में लद्दाख में भारत के कब्जे वाले महत्वपूर्ण भूभाग पर कब्जा कर लिया है। हालाँकि, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि चीन ने एक इंच भी जमीन नहीं खोई है, एक स्थिति जिसे सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों ने हाल के हफ्तों में भी दोहराया है। साथ ही, भारतीय अधिकारियों ने इस दौरान नई दिल्ली और बीजिंग को पहले की "यथास्थिति" पर लौटने की आवश्यकता के बारे में बात की है, जिससे यह सवाल उठता है कि अगर दोनों पक्षों द्वारा बनाए गए क्षेत्रीय नियंत्रण में वास्तव में कोई बदलाव नहीं हुआ होता तो उनका क्या मतलब होता।

उनके सामने आने वाली चुनौतियों

संजय

सबसे पहले, अच्छी खबर है। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण से एकत्रित आंकड़ों से पता चला है कि महिलाएँ बड़ी संख्या में चिकित्सा के क्षेत्र में प्रवेश कर रही हैं। फिर बुरी खबर आती है। संख्या में वृद्धि के बावजूद, महिला चिकित्सा पेशेवरों को, अक्सर, बुनियादी सुविधाओं के साथ–साथ सुरक्षित स्थानों के बिना भी काम चलाना पड़ता है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के आलोक में उत्तरार्द्ध पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिसके कारण कलकत्ता में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालाँकि, ये संख्याएँ बाधाओं के बावजूद चिकित्सा के क्षेत्र में महिलाओं के बड़े कदम उठाने का संकेत देती हैं। 2020–21 में भारत के मेडिकल कॉलेजों में नामांकित प्रत्येक 100 पुरुषों के लिए, महिलाओं की संख्या समान थी, 2011–12 में 100 पुरुषों के लिए महिलाओं का संगत आंकड़ा 88 था। इसके अलावा, महिलाएँ खुद को स्त्री रोग, माइक्रोबायोलॉजी या बाल रोग जैसे श्महिला–केंद्रितश विषयों तक सीमित नहीं रख रही हैं। कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और न्यूरोलॉजी जैसे पारंपरिक पुरुष क्षेत्रों में महिलाओं के प्रवेश से कहावत की कांच की छत टूट गई है। 2012–13 में, कार्डियोलॉजी में 312 पुरुषों के मुकाबले सिर्फ 7 महिलाएं थींय 2020–21 में यह आंकड़ा 220 पुरुषों के मुकाबले 78 महिलाओं तक पहुंच गया। इन क्षेत्रों में महिला चिकित्सकों की अधिक उपस्थिति से एक ऐसी चिकित्सा संस्कृति बनने की संभावना है जो महिला रोगियों की जरूरतों के प्रति अधिक ग्रहणशील और सहानुभूतिपूर्ण होगी। लेकिन संख्याएं अक्सर आधी कहानी बयां करती हैं। चिकित्सा में महिलाओं की संख्या में वृद्धि के साथ–साथ संस्थागत और सांस्कृतिक परिवर्तन होना चाहिए।

इंडिया का शून्यता का सामना

नीरज

अच्छे इरादे कभी भी पर्याप्त नहीं होते। भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन के नेताओं को यह पता लगाने की जरूरत है कि क्या करना है क्योंकि सीताराम येचुरी के निधन से गठबंधन के लिए एक शून्य पैदा हो गया है, जिसमें भयंकर प्रतिस्पर्धी साझेदार हैं, जिनमें से सभी सामूहिक रूप से वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक समायोजन और समायोजन की प्रक्रियाओं के लिए उत्तरदायी नहीं हैं। भाजपा को हराने और नरेंद्र मोदी को सत्ता से बेदखल करने के प्राथमिक एजेंडे के साथ खुद को अलग–अलग दलों की एकता के रूप में स्थापित करने के बाद, आई.एन.आई.ए. ब्लॉक अभी आधे रास्ते तक ही पहुंचा है। इसके भागीदारों को श्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में वर्तमान में केंद्र को घेरने की जरूरत है, और अधिक राज्यों में जीत हासिल करके, अगर उसे बहुदलीय और समावेशी लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और संविधान द्वारा गारंटीकृत सिद्धांतों और अधिकारों की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना है, जिसमें न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण भी शामिल है। राजनीति में, यह बहुत कम ही होता है कि बड़ा लक्ष्य अल्पकालिक हितों को पीछे छोड़ देता है। संवाद के माध्यम से मुश्किल परिस्थितियों से निपटना येचुरी की सबसे बड़ी खूबी थीय क्योंकि अक्सर न तो उनका और न ही उनके नेतृत्व वाली सी.पी.एम. का इन झगड़ों में कोई निहित स्वार्थ होता था। आई.एन.डी.आई.ए. गुट के भीतर, पार्टियों के अक्सर निहित स्वार्थ होते हैं जो चुनावों के दौरान खुद को प्रकट करते हैं। ये ऐसे कौशल और योग्यताएं हैं जिन्हें आई.एन.डी.आई.ए. को एक गुट के रूप में बदलने का तरीका खोजना होगा। इसके रैंकों में एक शून्यता है जो व्यवधान पैदा करके गठबंधन को कमजोर करने की क्षमता रखती है। 20004 और 2009 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के विपरीत, आई.एन.डी.आई.ए. गुट का नेतृत्व कांग्रेस नहीं करती है। एक पार्टी के रूप में यह बहुत बड़ी है और आई.एन.डी.आई.ए. गुट की 28 पार्टियों में से बहुत कम ही सामूहिक रूप से इसके नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस पार्टी हमेशा संदिग्ध रहती है। इसके सहयोगियों द्वारा इसे महत्वाकांक्षी, कभी–कभी दबंग, सामूहिक संचालन के तरीके में अनुभवहीन माना जाता है, जहां एक ओर परामर्श निर्णय तक पहुंचने का हिस्सा होता है और दूसरी ओर समय का निर्धारण। 2023 में आई.एन.डी.आई.ए. ब्लॉक के लॉन्च होने और अब की स्थिति के बीच का अनुभव यह है कि इसके प्रमुख प्रायोजक, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार इससे बाहर हो गए हैं। 2022 में भाजपा के विरोध में पार्टियों को एकजुट होने का निमंत्रण देने के बाद, ष्मैं कांग्रेस सहित सभी दलों से एक साथ आने का आग्रह करूंगा और फिर वे (भाजपा) बुरी तरह हार जाएंगेष, नीतीश कुमार ने बिहार में राजद के साथ गठबंधन छोड़कर और भाजपा के साथ हाथ मिलाकर एक उलटफेर किया। इसका कारण उनकी महत्वाकांक्षा बनाम आई.एन.डी.आई.ए. ब्लॉक के भीतर अन्य दलों का उनके इरादों और उद्देश्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के बारे में अविश्वास था। व्यक्तिगत नेताओं के इरादों और प्रतिबद्धताओं और आम उद्देश्य के बीच अंतर की समस्या दूर नहीं हुई है। चुनावों के दौरान ब्लॉक के भीतर दिखाई देने वाले मतभेद भाजपा के खिलाफ उसके प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। हरियाणा में, जहां 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होने हैं, कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन न होने से लगभग निश्चित जीत कम निश्चित परिणाम में बदल सकती है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा जम्मू–कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों में से पांच पर "दोस्ताना" लड़ाई लड़ने का फैसला एक कड़े मुकाबले में फर्क लाएगा, जिसका विपक्ष और भाजपा दोनों के लिए बहुत महत्व है। भारतीय जनता पार्टी के गुट को येचुरी का बहुत बड़ा योगदान है, क्योंकि उन्होंने लगातार अपने मुद्दे को आगे बढ़ाया और इसके लिए अथक प्रयास किया, जैसा कि उन्होंने भाजपा जैसे मजबूत और प्रचुर संसाधनों वाले संगठन के खिलाफ सीपीएम के मनोबल और भौगोलिक प्रसार को मजबूत करने और पुनर्निर्माण करने में किया। यह गुट भारतीय राजनीति में मध्यम वर्ग या मध्यम मतदाता का प्रतिनिधित्व करने वाला गठबंधन है। नियमित आधार पर मतभेदों के बावजूद एक उद्देश्य को पूरा करने के लिए इतने सारे भागीदारों को एकजुट रखना मुश्किल है। एक ऐसे देश में जहां राजनीतिक दलों की बहुलता न केवल विचार धारा, नीति और रणनीति पर मतभेदों को दर्शाती है, बल्कि व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को भी दर्शाती है, वहां आकांक्षाओं और विचारों की विविधता को समायोजित करने का काम कितना जटिल है, यह स्पष्ट है। येचुरी ने एक केंद्रीय शक्ति के रूप में कार्य करके भारत की अव्यवस्थित राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाईय उन्होंने प्राथमिक कार्य पर ध्यान केंद्रित करके झगड़ते दलों की ऊर्जा को एक साथ लाया, जो भाजपा को हराना था। यह असंभव है कि सीपीएम एक ऐसे नेता को सामने लाएगी जो आई.एन.डी.आई.ए. ब्लॉक के भीतर संतुलन की भूमिका निभाना जारी रखे। उनका नुकसान आई.एन.डी.आई.ए. ब्लॉक के लिए उतना ही बड़ा है जितना कि सीपीएम के लिए। वे गठबंधन और अपनी पार्टी के लिए सबसे बड़े हिटर थे। महासचिव के रूप में, येचुरी पार्टी के सफाईकर्मी थे, जिन्होंने पार्टी को अपने गढ़ पश्चिम बंगाल में चुनाव जीतने और केरल, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में भाजपा को दूर रखने में बार–बार विफल होने के बावजूद राष्ट्रीय गठबंधन बनाने में अपनी क्षमता से कहीं अधिक प्रदर्शन करने में सक्षम बनाया। वह जितने वामपंथी नेता थे, उतने ही विरोधाभासी रूप से वह एक स्तंभ भी थे, जिन्होंने नरेंद्र मोदी के दक्षिणपंथी, सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी, सत्तावादी व्यक्तित्व के खिलाफ अस्थिर मध्य मार्ग को कायम रखा। भाजपा के स्टार प्रचारक और बॉस, जिन्हें आरएसएस का समर्थन प्राप्त है।

दोहरा मुक्त जौनपुर के लिए जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर में बनने व बिकने वाले दोहरा पर प्रतिबंध लगाने की मांग वर्षो से होती चली आ रही है तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट द्वारा वर्ष 2009 में दोहरे पर प्रभावी रोक के लिए कार्यवाही की गईं दोहरे पर रोक लगाने के लिए पूर्व के जिलाधिकारी सर्वज्ञ राम मिश्र, अरविंद मलप्पा बंगारी, दिनेश कुमार सिंह व मनीष कुमार वर्मा द्वारा प्रभावी रोक के लिए प्रयास किया जाता रहा तथा जिलाधिकारी द्वारा जनपद जौनपुर के समस्त उपजिलाधिकारीयो को दिनांक 18/01/2018 को आदेशित किया गया कि क्षेत्राधिकारीगण का सहयोग लेते हुए दोहरा के विनिर्माण ,भंडारण व विक्रय पर प्रभावी रोक लगाया जाय तथा जनपद जौनपुर के समस्त दोहरा वासियों के लाइसेंस को निरस्त कर दिया गया। दोहरा कारोबारियों द्वारा वर्तमान समय में दोहरा के स्थान पर पान मसाला के नाम से पुनः लाइसेंस प्राप्त कर लिया गया तथा वृह्द स्तर पर पुनः दोहरा वर्तमान परिवर्तित नाम (पान मसाला) का व्यवसाय किया जा रहा है। जौनपुर में दोहरा खाने से युवाओ का एक बड़ा समूह पीड़ित हैं इसलिए विकास तिवारी व अतुल सिंह की अगुवाई में युवाओं का एक समूह जो पिछले कई वर्षों से दोहरा पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता चला आ रहा है ने आज जिलाधिकारी जी से मुलाकात कर 85 पृष्ठओ का साक्ष्य सहित ज्ञापन देकर जिलाधिकारी महोदय से उक्त खाद्य मादक पदार्थ दोहरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की मांग की है

उक्त अवसर पर विकास तिवारी व अतुल सिंह ने समुहिक रूप से कहा कि दोहरा का परिणाम है कि जनपद जौनपुर में काफी युवा मुँह में फाइवोसिस ,दांत की बीमारी, गले का कैंसर, पेट का कैंसर व मुँह के कैंसर से पीड़ित होता चला जा रहा है हमारे बीच के यूवा साथी श्री सौरभ शुक्ला जी दोहरा की लत का शिकार हो जाने के कारण दिनांक 21/03/23 को स्वर्ग सिधार गये तथा धर्मेन्द्र हरिजन व अन्य कई लोगो का इलाज उपचार चल रहा है।

हमने मांग की है कि जनपद जौनपुर में महामारी का रूप ले चुके कैंसर रोग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सर्वप्रथम दोहरा को पूर्व प्रतिबन्धा किया जाय तथा साथ ही उक्त विषय पर विस्तृत चर्चा हेतु तथा जनपद जौनपुर के युवाओं की पीड़ा व्यक्त करने के लिए अलग से आधे घंटे का समय जिलाधिकारी से ज्ञापन के माध्यम से मांगा गया है।

हमारी बातें सुनने के बाद नवागत जिलाधिकारी दिनेश चंद्र ने आश्वासन दिया है कि यथाशीघ्र उक्त विषय पर विस्तृत चर्चा उपरांत प्रभावी रोक के लिए आवश्यक ठोस कदम उठाए जाएंगे तथा सामाजिक रूप से जागरूकता कार्यक्रम चलाकर युवाओं को दोहरा छोड़ने के लिए अपील की जाएगी। ज्ञापन देने वालो में विकास तिवारी, अतुल सिंह, विराज ठाकुर, अश्वनी सिंह मार्शल, डॉ अब्बासी, राजकुमार, निर्भय इत्यादि उपस्थित रहे।

डीएम ने बदलापुर तहसील का किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा तहसील बदलापुर का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने अधिवक्तागणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के सन्दर्भ में जानकारी ली और उपजिलाधिकारी बदलापुर को निस्तारण करने का निर्देश दिया। उप जिलाधिकारी और तहसीलदार को निर्देशित किया कि जो भी पुराने राजस्व सम्बन्धी लम्बित मामले हैं उनका ससमय निस्तारण कराना सुनिश्चित करें तथा पुराने मुकदमों को प्रतिदिन सुने। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जनता दर्शन में आए हुए फरियादियों की समस्याओं का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से एवं ससमय कराना सुनिश्चित करें साथ ही तहसीलों में साफ–सफाई, कूड़े के ससमय उठान, फाइलों के उचित रख–रखाव, फरियादियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल आदि के संदर्भ में भी उन्होंने वार्ता करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिवक्तागण सहित अन्य उपस्थित रहे।

बटला हाउस इंकाउंटर का सच सामने नहीं लाना चाहती सरकारें, जांच हाने तक संघर्ष रहेगा जारी - राष्ट्रीय ओलमा कौन्सिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय ओलामा काउंसिल के कार्यकर्ताओं ने सैकड़ो की संख्या में गुरुवार को पहुंच कर प्रधानमंत्री से संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी डा दिनेश चंद्र को सौंपा। उन्होंने कहा कि 19 सितम्बर को बटला हाउस फर्जी इण्काउन्टर कि सोलहवीं बसी के मौके पर इस इण्काउन्टर की न्याययिक जांच की मांग को लेकर राष्ट्रीय ओलमा कौन्सिल के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया तथा प्रधानमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन जिसमें बटला हाउस इण्काउन्टर की न्यायिक जांच की मांग की गयी है।इस अवसर पर राष्ट्रीय ओलना कौन्सिल के अध्यक्ष ने कहा कि 2008 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के गृह मंत्री के इशारे पर दिल्ली पुलिस द्वारा सरकार की फिरफिरी होने से बचाने व मुस्लिम नौजवानों को बलि का बकरा बनाने की नियत से साजिश रच कर 19 सितम्बर, 2008 को दिल्ली के बटला हाऊस में फर्जी मुदभेड़ के दौरान दो बेकसूर मुस्लिम नौजावान आतिफ व साजिद के साथ एक जांबाज पुलिस इंस्पेक्टर को मौत के घाट उतार दिया गया था। और अनेक मुस्लिम नौजवानों को इस केस में फंसा कर उनकी जिंदगी बरबाद कर दी गई। इस फर्जी इण्काउन्टर के खिलाफ राष्ट्रीय ओलमा कौन्सिल ने आजमगढ़ से लेकर दिल्ली तक जोरदार विरोध दर्शाया था ।और न्यायिक जांच की मांग की थी जो कि आज भी जारी है। जिसे ना सिर्फ मुस्लमानो अपितु मुल्क के हर न्याय प्रिय नागरिक का सहमती मिली और हर दिशा से न्यायिक जांच के लिए आवाजे उठने लगी लेकिन यु0पी०ए० की निवर्तमान केन्द्रीय सरकार ने इस इन्काउन्टर की न्याययिक जांच न कराकर लोकतंत्र का गला घोंट दिया। कहाकि इस इण्काउन्टर के बाद कांग्रेस सरकार ने अपने कानूनी कर्तव्यों का भी पालन सही से नहीं किया, जब कि सी०आर०पी०सी० की धारा 176 के अंतर्गत किसी भी प्रकार के पुलिस टकराव में अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है ।तो उस घटना की मजिस्ट्रेट जाँच करवाना अनिवार्य है। इन सब के बावजूद बटला हाउस इण्काउन्टर केस में आरम्भ से ही कानून कि धजिजयां उड़ाई गई, एक बहादुर पुलिस अफसर एवं दो प्रतिभावान छात्रों की मौत हुई परन्तु न तो कांग्रेस, न भाजपा की केन्द्र सरकार और नाही इस इण्काउन्टर पर सवाल उठाने वाले केजरीवाल ने सत्ता में जाने के बाद इस काण्ड की जांच करवाना मुनासिब समझा। आखिर क्या वजह है कि इस इण्काउन्टर की जांच नहीं करायी जा रही है? अगर इन्काउन्टर सही था तो जांच में भी तो वही सच निकलकर आएगा। इसका सच सामने आना ही चाहिये क्योंकि ये इण्काउन्टर सिर्फ एक क्षेत्र विशेष यो नहीं बल्कि पूरे देश के मुसलमानों की अस्मिता और देशभक्ति पर सवाल है। भाजपा सरकार भी श्सबका साथ सबका विकासश की बात करती है पर क्या सबका साथ सबका विकास सबको न्याय के बिना संभव है? बटला हाउस फर्जी इण्काउन्टर की न्यायायिक जांच की मांग हम तबतक दोहराते रहेंगे । जबतक सरकार हमारी मांग को नान नहीं लेती है। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मौलाना मुक्तवा हुसैन खौरी, डस्सान अहमद कासमी, अंसार अहमद खान प्रदेश उपाध्यक्ष, शाहिद खान जिला अध्यक्ष जौनपुर, फारुक अली खाान प्रदेश कार्यकरणी, सत्य प्रकाश यादव, बेलाल अहमद कुरैशी, मेराज अहमद, मौलाना मतिउद्ध्दीन प्रवेश सचिव, मो शहाबुद्दीन, शाहआलम, मसूद सिद्दीकी जिला सचिव, मो० हाशीम, कमालुद्दीन, इरशाद अहमद आदि लोग उपस्थित रहे।

व्यापारी समाज सदैव पुलिस अधिकारियों के सहयोग के लिए तत्पर है – अमरनाथ मिश्रा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डीसीपी उत्तरी के साथ ही लखनऊ व्यापार मंडल के उत्तरी क्षेत्र के व्यापार मंडलों की बैठक अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा की अध्यक्षता में श्रीराम नयन सिंह आई पी एस के कार्यालय में हुई। सर्वप्रथम व्यापारियों ने डीसीपी को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। फिर सभी का परिचय हुआ व्यापारियों ने मुख्य रूप से बाजारों में गश्त यातायात की समस्या अवैध अतिक्रमण से आदि पर चर्चा की। अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने को बताया कि व्यापारी समाज सदैव पुलिस अधिकारियों के सहयोग के लिए तत्पर है मगर व्यापारियों की भी अपेक्षा है कि उनके साथ थानावार मासिक बैठक हो और जब हमारा व्यापारी किसी कार्य से थाने में जाए तो यदि अधिकारी उसे सम्मानित

ढंग से आदर देंगे तो व्यापारी का आधा दर्द तुरंत समाप्त हो जाता है समाज में व्यापारी को अपनी सुरक्षा हेतु सबसे ज्यादा पुलिस प्रशासन रही है विश्वास है कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने संबोधित करते हुए साहब का स्वागत किया और कहा कि प्यार के पूर्व कार्यकाल को देखते हुए व्यापारियों को विश्वास है कि उनकी समस्याओं का निराकरण तत्काल होगा महामंत्री सुहैल हैदर अलवी ने स्वागत करते हुए बाजार की विभिन्न समस्याओं को अवगत होने के लिए डीसीपी महोदय से एक दौरा करने का अनुरोध किया युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता जी ने स्वागत करते हुए डीसीपी महोदय को ट्रैफिक एवं जाम की समस्याओं से अवगत कराया सभी पदाधिकारियों ने अपनी बात कही।

बैठक को संबोधित करते हुए महोदय ने विश्वास दिलाया कि पुलिस सदैव नागरिकों की सुरक्षा हेतु पर है और कोई भी वात हो तो हर व्यक्ति मुझसे कभी भी संपर्क कर सकता है फोन पर भी संपर्क कर सकते हैं आपकी सहायता तुरंत प्रभाव से की जाएगी बैठक में व्यापारियों की बाजारों में जो भी समस्या है हल करने के लिए इसमें सबसे पहले प्राथमिकता पर बाजारों में लगने वाले जाम ट्रैफिक व्यवस्था को ठीक किया जाएगा की रात में ग्रस्त बढ़ाई जाएगी और 100 मीटर 200 मीटर पर एक पुलिस का सिपाही या पुलिस देखनी चाहिए बाजारों में पुलिस व्यापारी मिलकर अतिक्रमण हो या कोई और समस्या हो उसको हल किया जाएगा हर संगठन से एक दो पदाधिकारी उनको रखा जाएगा इसमें कमेटी बनाई जाएगी इसमें ट्रैफिक की व्यवस्था अतिक्रमण की व्यवस्था को हल करने के लिए उनका सहयोग लिया जाएगा क्योंकि डीसीपी साहब इससे पहले लखनऊ में क्षेत्राधिकार के रूप में कई क्षेत्र में रह चुके हैं इसलिए उनको लखनऊ की भौगोलिक स्थिति बहुत अच्छे से पता है उन्होंने कहा है कि मैं डीसीपी नॉर्थ हूं लेकिन लखनऊ की कहीं भी कोई समस्या हो तो आप लोग बता सकते हैं यह मीटिंग उनके कार्यालय में हुई थी आगे से उन्होंने कहा कि मैं हर बाजार में जाकर के वहां के पदाधिकारी व्यापारियों से मिलकर बात करूँगा अंत मे अनुराग मिश्रा ने सभी को धन्यवाद दिया बैठक में मुख्य रूप से अमरनाथ मिश्रा पवन मनोचा सुहैल हैदर अलवी देवेंद्र गुप्ता अनुराग मिश्रा जितेंद्र सिंह मनीष गुप्ता मनीष वर्मा अजय सक्सेना अभिषेक सिंह मुकेश सिंह मनोज सिंह मनीष श्रीवास्तव श्रीवास्तव सौरव तिवारी मनोज अग्रवाल संजय मिश्रा परमजीत सिंह के साथ अरविंद पाठक नरेश अग्रवाल रिंकू यादव विशाल चौरसिया व हिमांशु भट्ट ने भी की। रितु राज गुरप्रीत सिंह हीरालाल वर्मा शुऐव जमाली ललित तिवारी के साथ सैकड़ों की संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

सड़क किनारे रंगे हाथ गोकशी करते पकड़े गए तस्कर

सुल्तानपुर। सड़क किनारे रंगे हाथ गोकशी करते पकड़े गए तस्कर। चांदा थानाक्षेत्र के ग्राम हाजीगंज प्यारेपुर का मामला। सूचना मिलते ही हिन्दू संगठनों में आक्रोश। पुलिस गस्त के दौरान भोर में पकड़े गये गोकशी करने वाले मनबढ़। गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी सर्वेश सिंह ने पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा से कठोर कार्रवाई की उठायी मांग। विश्व हिन्दू परिषद समेत कई संगठनों ने उठाई गोकशी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग। चांदा थानाध्यक्ष रवीन्द्र सिंह बोले, मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को किया गया गिरफ्तार।

राजकीय आई0टी0आई0 जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन 21 सितम्बर 2024 को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में राजकीय आई0टी0आई0 जौनपुर में 21 सितम्बर 2024 को प्रातः 10.00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की 10 कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। जिसकी शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें।

जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई0डी0 प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल तवरहंतेंदहंउ.नच.हवअ. पद के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

दो दिवसीय धरना करने पर मिला मिलने का समय– कान्ट्रेक्टर्स एसोसिएशन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। नगर निगम कान्ट्रेक्टर्स एसोसिएशन द्वारा नगर निगम ठेकेदार बंधुओ के वर्षों से लंबित भुगतान ना होने के चलते पिछले दो दिनों से नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना दे रहे थे। इसी क्रम में लगातार धरने के बीच में नगर आयुक्त महोदय के कार्यालय से बताया गया कल 20 सितम्बर सुबह 10 बजे वार्ता का समय निर्धारित हुआ है।

नियमित रूप से कार्यालय में बैठकर लोगों की समस्याओं का निस्तारण करें – जिलाधिकारी

शिकायत निस्तारण की नई पर्ची व्यवस्था से शिकायतकर्ता हुए खुश

हरदोई (अम्बरीष सक्सेना) जनपद में शिकायत निस्तारण के लिए लागू नई पर्ची व्यवस्था के अन्तर्गत जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने आज अपने कलेक्ट्रेट कार्यालय में फरियादियों की शिकायतों का सुना तथा शिकायतों का शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्ची के रूप में शिकायतकर्ता के पास प्रमाण होगा और उन्हें शिकायत निस्तारण के लिए भटकना नही पटेगा तथा जन शिकायतों के निस्तारण में तेजी आयेगी। इस नई व्यवस्था से शिकायतकर्ता काफी खुश नजर आये। जिलाधिकारी ने समस्त तहसील व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नियमित रूप से कार्यालय में बैठकर लोगों की समस्याओं का निस्तारण करें। उन्होने कहा है कि शिकायतों के निस्तारण से संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकेगें।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अमित मिश्रा की टीम द्वारा एक ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है जिसके माध्यम से किसी भी शिकायत को ट्रेस किया जा सकता है एवं शिकायतकर्ताओं को एक आठ अंकों का शिकायत क्रमांक दिया जायेगा जिससे शिकायत क्रमांक से शिकायत निस्तारण की स्थिति के सम्बन्ध में जानकारी की जा सकती है। पहली पर्ची सुशील कुमार के नाम से कटी।

भारत की जनवादी नवजवान सभा ने प्रधानमंत्री भारत सरकार को भेजा आठ सूत्रीय ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत की जनवादी नवजवान सभा (क्ल्थ्य) की तरफ से हम आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहते है कि पूरे देश मे रोजगार की हालत दिन व दिन खराब होती जा रही है, जिससे बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। पूरे देश मे रेलवे सहित तमाम सार्वजनिक विभागों मे लाखों पद खाली है लेकिन आपकी सरकार इन पदों को लेकर या तो उदासीन है या संविदा पर आधे अधूरे पदों पर भर्ती की जा रही है ऐसे में युवाओं के सामने रोजगार का संकट एक भयानक रूप लेता जा रहा है, ऐसे में सरकार का ये कर्तव्य बनता है कि वो इस संकट को गंभीरता से ले और रोजगार सृजन की दिशा में मजबूत व दूरदर्शी कदम उठाये। युवाओं को पिछले 3–4 सालों से प्रतियोगी परीक्षाओं के ज्यादातर पेपर लीक होने से अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, ज्यादातर सरकारें पेपर लीक को रोकने में भी असमर्थ नजर आ रही हैं जिससे बार बार पेपर लीक हो जा रहे हैं। आज के इस प्रदर्शन के माध्यम से हम भारत की जनवादी नवजवान सभा के लोग आपसे निम्नलिखित मांग करते। खाली पड़े सरकारी पदों तत्काल भर्ती शुरू की जाय। नौकरियों में ठेका प्रथा पर रोक लगाई जाय, ठेका कर्मियों को नियमित किया जाय।

सभी युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किया जाय, जब तक रोजगार नहीं मिलता बेरोजगारी भत्ता दिया जाय। पेपर लीक पर रोक लगाई जाय। पूंजीपति की संपत्ति पर समुचित टैक्स लघु करो, शिक्षा स्वास्थ्य व रोजगार की गारंटी दो, लोगों की गरिमापूर्ण जिंदगी की गारंटी देना पड़ेगा,भगत सिंह नेशनल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट लागू करो।

टीबी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग घर घर चला रही अभियान, घर घर खोजे जा रहे मरीज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एन.टी.ई.पी. कार्यक्रम के अंतर्गत् चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, के द्वारा दिये गये दिशा–निर्देश के क्रम में 9 सितंबर से 20 सितंबर तक कुल 10 दिन तक स्वास्थ्य विभाग की टीमों (आशा, ए.एन.एम. तथा आंगनबाड़ी) के द्वारा जिलें में टी.बी. संभावित टारगेटेड आबादी वाले क्षेत्रों में घर–घर भ्रमण करते हुए टी.बी. मरीजों की स्क्रीनिंग करने के साथ–साथ उनके बलगम की जांच तथा उपचार की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु सघन टी.बी. खोज रोग अभियान (एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान) चला रही है। इस मामले में गुरुवार को देश की उपासना ब्यूरो प्रमुख से बात करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह ने बताया कि सघन टी.बी. खोज रोग अभियान के अंतर्गत् क्षेत्रों में 2 सप्ताह से ज्यादा खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना, भूख न लगना तथा बलगम में खून आने की शिकायत वाले व्यक्तियों को टीम द्वारा चिह्नित करते हुए उनके बलगम की जांच नजदीकी माइक्रोस्कोपी केन्द्रों पर कराते हुए अतिशीघ्र उपचारित करके स्वस्थ्य कर रही है। इस अभियान के द्वारा टी.बी. के संक्रमण को कम करने में मदद मिलेगी। एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान के अंतर्गत् जिलें की कुल आबादी 54.5 लाख के सापेक्ष 20 प्रतिशत टी.बी. संभावित आबादी की जनसंख्या के मध्य जनपद में कुल 435 टीमों तथा उन टीमों के कुशल पर्यवेक्षण हेतु लगाये गये कुल 87 पर्यवेक्षकों के माध्यम से टी.बी. के मरीजों की स्क्रीनिंग का कार्य किया जा रहा है। इस अभियान की व्यापक सफलता के लिये जनपद स्तर के ए.सी.एम.ओ. रैंक के सभी अधिकारियों सहित जनपद के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों के अधीक्षकों – प्रभारी चिकित्साधिकारियों तथा एन.टी.ई.पी. के सुपरवाईजर्स के माध्यम से गहन मॉनीटरिंग का कार्य किया जा रहा है। ए.सी.एफ. अभियान के दौरान जनपद के टी.बी. मरीजों के बलगम के जांच के लिये माइक्रोस्कोपी के अतिरिक्त डी.टी.सी. एवं स्वास्थ्य केन्द्र शाहगंज पर स्थापित सी.बी.नाट मशीनों का भी उपयोग किया जायेगा। इसके अतिरिक्त जनपद के 16 केन्द्रों पर टूनाट की मशीन भी जांच हेतु संचालित रहेगी। वर्ष .. 2024 में अब तक जिलें में कुल 7480 टी.बी. मरीजों की पुष्टि हुई है। टी.बी. के प्रत्येक मरीज को उनके बेहतर इलाज के साथ–2 उपचार के दौरान निःक्षय पोषण योजना के अंतर्गत प्रतिमाह रू. 500– की धनराशि डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे उनके खाते में भेजी जा रही है। एक्टिव केस फाइंडिंग अभियान के अंतर्गत क्लोज सेटिंग एरिया जैसे राजकीय वृद्धाश्रम, जिला कारागार, नवोदय विद्यालय, क्षेत्र में आने वाले मदरसों में टी.बी. स्क्रीनिंग का कार्य एन.टी.ई.पी. स्टाफ द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में अभियान के अंतर्गत् प्राइवेट सेक्टर के समस्त चिकित्सकों एवं केमिस्ट्स के बीच जाते हुए टी.बी. नोटिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। ए.सी.एफ. के 6 दिन के अभियान में कुल 6,97,645 व्यक्तियों के स्क्रीनिंग का कार्य करते हुए कुल 7.727 टी.बी. संभावित मरीजों जो बलगम का परीक्षण किया गया है, जिसमें अब तक कुल 75 टी.बी. के मरीज चिह्नित किये गये।

सकारात्मक दृष्टिकोण से होता है व्यक्तित्व विकास – प्रो. प्रदीप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा गुरुवार को व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला आयोजित की गयी . वर्कशॉप में छात्रों को व्यक्तित्व विकास के फाइव फैक्टर मॉडल एवं हेक्साको मॉडल के बारे में प्रशिक्षित किया गया. कुलपति प्रो वंदना सिंह के निर्देश पर सेन्ट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए लगातार सॉफ्ट स्किल व् हार्ड स्किल कि ट्रेनिंग आयोजित कर रहा है स सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि स्व समझ व्यक्तित्व विकास आपको अपनी ताकतों और कमजोरियों और क्षमताओं को समझने में मदद कर सकता है. व्यक्तित्व विकास छात्र जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो शैक्षिक उपलब्धि से परे है. यह आत्मविश्वास और संचार कौशल को बढ़ाता है. इसके साथ ही भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सुधार करता है. इससे नेतृत्व गुण विकसित होते है. छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है. व्यक्तित्व विकास में निवेश करने से न केवल छात्रों को उनकी शैक्षिक यात्रा के दौरान लाभ होता है, बल्कि उन्हें लगातार विकसित हो रही दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल भी मिलते हैं.

प्रशिक्षण में बी टेक. इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, सी एस, आई टी, एम् बी ए, एम् बी ए(एग्री बिजनस), एम् बी ए (इ कॉमर्स) बायोटेक्नोलॉजी के छात्रों ने भाग लिया स व्यक्तित्व विकास आपको जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करता है।

स्वप्रेरित शिक्षक समूह के द्वारा मिला उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) लखनऊ के फ्यूजन होटल में स्वप्रेरित शिक्षक समूह के स्वप्रेरित शिक्षक व मेंटर जो पिछले दो साल से वेबसाइट पर लॉग इन करके बच्चों को वेबसाइट से जोड़कर लगातार वेबसाइट के कंटेन्ट का लाभ बच्चों तक पहुंचा रहे थे । ऐसे 40 जिलों के चयनित 40 शिक्षक एवं मेंटर्स को लखनऊ में सम्मानित किया गया ।समूह में 386 शिक्षक शिक्षिकाएं एवं 5300 बच्चे जुड़ चुके हैं। दो पुस्तकों का विमोचन भी मुख्य अतिथि समाज सेविका सरला सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि गवर्नमेंट फिल्म प्रोडूसर अब्बास रिजवी द्वारा किया गया ।कक्षा 6 विषय विज्ञान एवं कक्षा 6 विषय सामाजिक विज्ञान की शीघ्र ही यह पुस्तक वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

जनपद हरदोई से बेसिक शिक्षा विभाग में किये जा रहे विभिन्न उत्कृष्ट कार्यों एवं प्रयासों के कारण राज्य पुरस्कृत विकास खंड सुरसा से मंजू वर्मा व स्व प्रेरित शिक्षक समूह के जनपद मेंटर विकास खंड बावन से शिक्षक अभिषेक गुप्ता को सम्मानित किया गया। स्वप्रेरित शिक्षक समूह की एक वेबसाइट है जिस पर निपुण तालिकाओं पर आधारित टीचिंग मटेरियल, बच्चो के लिये विभिन्न विषयो के लगभग 400लर्निंग वीडियोस तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सभी प्रकार का कंटेंट बेसिक शिक्षा की कोहनूर मधुरिमा श्रीवास्तव द्वारा उपलब्ध कराया गया है जो कि इस वेबसाइट की संचालिका है।

साथ ही नियमित राष्ट्रीय आय आधारित परीक्षा की तैयारी नियमित कराई जा रही है। बच्चों के साथ–साथ शिक्षकों को भी अपने शिक्षण के स्तर को बढ़ाने में यह वेबसाइट हर प्रकार से मददगार साबित हो रही है।

तेज रफ्तार बस ने यूपी 112 वाहन में मारी टक्कर

महोबा, संवाददाता। महोबा जिले में कानपुर–सागर हाईवे पर चंद्रावल मार्ग के पास तेज रफ्तार रोडवेज बस ने यूपी 112 वाहन में टक्कर मार दी। हादसे में एक सिपाही की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद चालक ने झमाझम बारिश के बीच 100 किमी की रफ्तार से बस दौड़ा दी और

महोबा में एक राहगीर को रौंदते हुए निकल गया। इससे उसकी भी जान चली गई। पुलिस दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन व उसके चालक की तलाश कर रही है कस्बा कबरई में यूपी 112 की स्कॉर्पियो कार मंगलवार की रात करीब साढ़े दस बजे बांदा तिराहे से चंद्रावल रोड की ओर पेट्रोलिंग करती हुई जा रही थी। तभी जनपद कानपुर की ओर से आ रही बेकाबू रोडवेज बस ने पीआरवी वाहन में जोदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पीआरवी वाहन उछलकर बंद दुकानों में घुस गया और वाहन के परखच्चे उड़ गए। वाहन में सवार पीआरवी कमांडर हेड कांस्टेबल बेचनलाल (53), पायलट हेड कांस्टेबल अब्दुल हक (48) व सब कमांडर कांस्टेबल सुभाषचंद्र (40) घायल हो गए। सभी को सीएचसी कबरई पहुंचाया गया। यहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

फर्जी फर्म से साल भर में हो गया छह करोड़ का कारोबार

अयोध्या, संवाददाता। बोगस (फर्जी) फर्म बनाकर एक साल में लगभग छह करोड़ रुपये का कारोबार हो गया। संदेह होने पर स्टेट जीएसटी की टीम ने छापेमारी की तो न दुकान का पता चला ना ही दुकान स्वामी का। इस दौरान अन्य प्रदेशों में भी कबाड़ की सप्लाई की गई और विभाग को लाखों का चूना लगा। अब विभाग फर्म संचालक की कुंडली खंगाल रहा है। 24 अगस्त 2023 को सेंट्रल जीएसटी से हैदरगढ़ में वर्मा इंटर प्राइजेज नामक एक फर्म का पंजीकरण हुआ था। अल्हदादपुर निवासी राम प्रसाद नामक एक व्यक्ति से किराये पर दुकान लेकर प्रतिष्ठान चलाने के दस्तावेज पंजीयन के समय लगे थे। तीन हजार रुपये प्रतिमाह की किरायेदारी दिखाकर दो गवाहों के हस्ताक्षर भी कराए गए थे। फर्म से कबाड़ खरीदने–बेचने के लिए श्रावस्ती निवासी जितेंद्र कुमार वर्मा नामक व्यक्ति ने जीएसटी पंजीकरण कराया था।

पंजीयन के बाद से इस फर्म ने सालभर में उत्तर प्रदेश के अलग–अलग जिलों के अलावा उत्तराखंड, हरियाणा व अन्य प्रदेशों में लगभग 6.63 करोड़ रुपये का कारोबार किया। लेकिन विभाग को टैक्स नहीं जमा किया जा रहा था। ऐसे में विभागीय अधिकारियों की नजर इस फर्म पर पड़ी तो बीते माह उपायुक्त कर श्रीप्रकाश यादव की टीम प्रतिष्ठान पर छापेमारी के लिए पहुंची, लेकिन इस नाम से कोई प्रतिष्ठान नहीं मिला। किरायेदार का भी पता नहीं चला। पंजीयन के समय दिया गया मोबाइल फोन नंबर भी बंद मिला। उपायुक्त ने बताया कि पंजीयन के समय लगे आधार कार्ड के आधार पर प्रतिष्ठान मालिक को खोजने का प्रयास किया जा रहा है। अपर आयुक्त ग्रेड–टू आरएस विद्यार्थी ने बताया कि इस तरह से फर्जीवाड़ा करने वालों पर नजर रखी जा रही है। गड़बड़ी करते मिलने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ विधिक कार्रवाई भी कराई जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिला, हत्या का आरोप

उन्नाव, संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र में महिला का शव मंगलवार को कमरे में फंदे से लटका मिला। मायके के लोगों ने हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया। पिता ने बताया कि बीते मार्च महीने में ही शादी हुई थी। पुलिस ने पति और सास पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। लखनऊ के थाना निगोहा के गांव गौतम खेड़ा निवासी मृतका के पिता श्यामलाल ने बताया कि मार्च 2024 में बेटी की शादी आरती (26) की शादी सेमरीमऊ गांव निवासी इंद्रकुमार के साथ की थी। शादी के दो महीने बाद से ससुरालीजन आरती को प्रताड़ित कर रहे थे। उन्होंने पति और सास शिवदेवी पर दहेज में बाइक और मांग के मुताबिक रुपये न देने पर हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया। बताया कि ग्रामीणों में भी रात में पति और पत्नी के बीच विवाद की चर्चा है। पिता की तहरीर पर पति और सास पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज हुई है। कोतवाल राकेश गुप्ता ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करके दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

भाजपा नेता की पुत्रवधू को टप्पेबाजों ने बनाया निशाना

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में शाहगंज में मंगलवार दोपहर टप्पेबाजों ने बच्चे को स्कूल लेने जा रही भाजपा नेता की पुत्रवधू को झांसे में लेकर नशीला रुमाल सुंघाकर सोने के टॉप्स उतरवा लिए। चौकी पर सुनवाई नहीं की गई। अयोध्या कुंज, शाहगंज निवासी महाराज सिंह राजपूत भाजपा किसान मोर्चा के ब्रज क्षेत्र कार्यालय प्रभारी हैं। उन्होंने बताया कि पुत्रवधू हेमलता दोपहर 1:30 बजे बेटे को लेने के लिए केंद्रीय विद्यालय गई थीं। लौटते वक्त मिलन वाटिका के पास एक दंपती ने रोक लिया। बातचीत में लगाकर उनके चेहरे के पास नशीला रुमाल लहराया तो उन्हें बेचैनी होने लगी। इसी दरम्यान दंपती ने उनके टॉप्स उतरवा लिए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। भाजपा नेता का आरोप है कि सराय ख्वाजा चौकी पर दरोगा ने कार्रवाई नहीं की। इंस्पेक्टर शाहगंज ने बताया कि लालच देकर टॉप्स उतरवाने की जानकारी मिली है। तहरीर आने पर कार्रवाई होगी।

शिवलिंग पर पहले जल चढ़ाया, फिर तांबे का कलश लेकर हुआ फरार, एफआईआर

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के नवाबगंज थानाक्षेत्र में शिवमंदिर में घुसे चोर ने शिवलिंग पर जल चढ़ाया और फिर कलश पिट्ठू बैग में रखकर फरार हो गया। घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद बुधवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर शातिर की तलाश शुरू की है। नवाबगंज के आजादनगर में गंगा बैराज रोड पर महाकालेश्वर मंदिर स्थित है। 15 सितंबर को स्कूटी से आए दो शातिरों में से एक मंदिर का चौनल खोलक भीतर दाखिल हुआ। इधर उधर देखने के बाद शिवलिंग के ऊपर लगे तांबे के बड़े कलश से पहले शिवलिंग पर जल चढ़ाया। इसके बाद तांबे का कलश पिट्ठू बैग में रख लिया। उसने मंदिर में लगा घंटा भी काटने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सका। वारदात परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बुधवार को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर सीसीटीवी में कैद फुटेज के जरिए शातिरों की तलाश शुरू कर दी है।

रियल स्टेट कंपनी के कर्मियों से मारपीट में पांच गिरफ्तार

अयोध्या, संवाददाता। कोतवाली अयोध्या के तिहुरा मांझा क्षेत्र में जमीन पर कब्जेदारी के दौरान एक रियल स्टेट कंपनी के कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में रियल स्टेट कंपनी के कर्मचारियों की तहरीर पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। दर्ज एफआईआर में रियल स्टेट कंपनी के कर्मचारी हरियाणा निवासी मनोज कुमार ने बताया कि कंपनी ने राम आशीष यादव के खेत की जमीन को लेने के लिए रजिस्ट्री कराई थी। इस जमीन पर पिलर लगाकर कब्जा करने के लिए वह 12 सितंबर की दोपहर लगभग 12 बजे अन्य कर्मचारियों के साथ गए और और पिलर लगाया जा रहा था। पूर्व से ही इस जमीन पर रामरूप माझी ने कब्जा किया था। इस बीच रमेश माझी, रवीश माझी, दीपक माझी, धर्मेंद्र माझी, विजय माझी, राजेश माझी,कुलदीप माझी, गोलू माझी और अरविंद माझी पहुंचे और मारपीट करने लगे।

वाहनों का फिटनेस नहीं करा रहे स्कूल प्रबंधक

बाराबंकी, संवाददाता। जिले में 1063 बसें व वैन स्कूली वाहन के बतौर पंजीकृत हैं। एआरटीओ प्रशासन ने बीते माह बिना फिटनेस फर्राटा भर रहे 284 स्कूली वाहनों का पंजीयन निलंबित करने की कार्रवाई की थी। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधक वाहनों का फिटनेस कराने के प्रति उदासीन बने हैं। इसके चलते माह भर बाद भी 94 स्कूली वाहनों का फिटनेस प्रमाणपत्र नहीं बनवाया गया है। सिर्फ 126 स्कूल प्रबंधकों ने ही अपने यहां संचालित स्कूली वाहनों की फिटनेस कराई है। परिवहन विभाग ने स्कूली बच्चों को ढो रहे अनफिट वाहनों को निलंबन नोटिस भेज कर फिटनेस कराने का समय दिया था। कई बार नोटिस व समय देने के बाद भी स्कूल संचालकों ने वाहनों की फिटनेस कराने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

कर्जा न चुकाने के लिए रची चोरी की झूठी कहानी

बाराबंकी, संवाददाता। थाना बड्डूपुर में सराफ का कर्जा न चुकाना पड़े, इसलिए चोरी की घटनाओं का फायदा उठाकर मां–बेटे ने घर में रखे आभूषण चोरी हो जाने की झूठी कहानी रच डाली। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की तो पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया। घटना में शामिल मां–बेटे के अलावा एक अन्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर आभूषण भी बरामद कर लिए हैं। एएसपी अखिलेश नारायण सिंह ने मंगलवार को बताया कि बड्डूपुर थाना क्षेत्र के गनेशपुर मजरे इटौंजा निवासी प्यारेलाल ने 12 सितंबर की रात घर से नकदी व जेवरात चोरी होने की सूचना पुलिस को दी गई थी। इसके आधार पर जांच पड़ताल शुरू हुई। जांच में सामने आया कि प्यारेलाल के पुत्र अनमोल की शादी फरवरी में हुई थी। शादी में देने के लिए मां निर्मला देवी ने आभूषण उधार लिए थे।

इसका बकाया पैसा हड़पने की नियत से ही मां–बेटे ने चोरी की अफवाह का फायदा उठाकर घर में चोरी होने की झूठी खबर फैलाने की योजना बनाई। इसके लिए अनमोल ने आभूषण अपने चचिया ससुर जगन्नाथ के घर में करीब 15 दिन पूर्व भूसे में छिपा दिए। पुलिस ने जगन्नाथ के घर में छिपा कर रखे गए आभूषण बरामद कर प्यारेलाल के पुत्र अनमोल, पत्नी निर्मला देवी व जगन्नाथ को गिरफ्तार किया है। इस मामले का खुलासा थानाध्यक्ष मनोज कुमार व एसआइ अजेंद्र कुमार सिंह की टीम ने किया।

ईओ व अध्यक्ष पर सभासदों ने लगाया मनमानी का आरोप

अयोध्या, संवाददाता। नवसृजित मां कामाख्या नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को सभासदों ने ईओ व नगर पंचायत अध्यक्ष पर मनमाने ढंग से कार्य कराये जाने सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। इसके बाद नाराज सभासदों ने ईओ को शिकायती पत्र भी सौंपा है। नगर पंचायत में कुल 15 वार्ड हैं। जहां से चुने गए 11 सभासदों ने बोर्ड की बैठक का बहिष्कार सभासदों ने ईओ को शिकायती पत्र देकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप पत्र में कहा गया है कि पिछले डेढ़ वर्ष में पहली बोर्ड बैठक में जिन कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई थी उनमें एक भी कार्य अब तक नहीं कराए गए हैं। वार्ड चार के सभासद अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि नगर पंचायत गठन का डेढ़ वर्ष हो रहा है। पहली बैठक में ही पांच कार्यों का प्रस्ताव दिया था उनमें एक भी कार्य नहीं कराया गया है। वार्ड छह के सभासद केदार नाथ ने आरोप लगाया कि सभी वार्डों में मनमाने तरीके से योजनाओं का कार्य कराया जा रहा है। वार्ड सात के सभासद जितेंद्र सिंह कहते हैं कि ईओ व नगर पंचायत अध्यक्ष बोर्ड की बैठक को कुछ समझते ही नहीं है। पहली बैठक के प्रस्तावों पर कोई कार्य ही नहीं हुआ तो दूसरी बैठक का क्या मतलब है। वार्ड 15 की सभासद प्रतिनिधि प्रदीप यादव कहते हैं कि वार्ड में इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण का कार्य मनमाने ढंग से कराया जा रहा है। वार्ड 13 की सभासद प्रतिनिधि शिव मगन यादव, वार्ड नौ के सभासद प्रतिनिधि धर्मेंद्र गुप्ता, वार्ड एक के सभासद प्रतिनिधि लक्ष्मण लाल आदि का कहना है कि कहीं पर सर्वाधिक धन के प्रस्ताव स्वीकृत होते हैं तो कई वार्ड अछूते रह गए हैं। इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पांच करोड़ से होंगे विकास कार्य

ईओ निखिलेश मिश्रा ने बताया कि बोर्ड बैठक का कोरम पूरा करते हुए नगर पंचायत में पांच करोड़ से विकास कार्य कराया जाएगा। सभासदों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बोर्ड बैठक में सभासदों के जो भी प्रस्ताव दिए जाते हैं उसे पूरा कराया जाता है। चेयरमैन शीतला प्रसाद शुक्ला ने कहा कि बैठक के बहिष्कार की कोई जानकारी नहीं है। सभी सभासदों से तालमेल बैठाकर वार्डों का विकास कार्य कराया जाएगा।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या में पति गिरफ्तार, भेजा जेल

अमरोहा, संवाददाता। क्षेत्र के गांव बाईखेड़ा में दहेज के लिए रविवार की रात को पति ने 22 वर्षीय पत्नी मीना की मारपीट और गला घोंटकर हत्या कर थी। मामले में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव सोहरका निवासी किसान विजयपाल सिंह ने अपनी बेटी मीना की शादी करीब डेढ़ साल पहले क्षेत्र के ही गांव बाईखेड़ा निवासी सुंदर सिंह के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले मीना का दहेज के लिए उत्पीड़न कर रहे थे। रविवार की रात को मीना के साथ मारपीट की गई थी और गला दबाकर उसकी हत्या की गई थी।

शव पोस्टमार्टम को भेजा गया था। मायके वालों ने पहुंचकर हंगामा किया था आरोप है कि दहेज में ससुराल वाले एक अपाचे बाइक, भैंस और तीन लाख की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता की हत्या कर दी गई। मामले में पति सुंदर, ससुर प्रीतम, सास सुमरति, ननद सविता व अनिल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि फरार चल रहे पति सुंदर को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा गया है।

किसान मेले में मारपीट, अभिलेख फाड़े, तोड़ीं कुर्सियां

सीतापुर, संवाददाता। रामगढ़ सरवा सहकारी गन्ना विकास समिति पर मेले के दौरान किसान यूनियन के नेताओं व गन्ना पर्यवेक्षकों में मारपीट हो गई। तीन पर्यवेक्षकों को चोटें आई हैं। मारपीट करने वालों पर सरकारी अभिलेख फाड़ने का आरोप है। पुलिस के आने से पहले ही मारपीट करने वाले युवक मौके से भाग निकले। गन्ना पर्यवेक्षकों ने संदना थाना प्रभारी को तहरीर दी है। संदना थानाक्षेत्र में रामगढ़ सरवा सहकारी गन्ना विकास समिति पर 14 से 22 सितंबर तक किसान मेला चल रहा है। मंगलवार को मेले में गन्ना पर्यवेक्षकों और किसान नेता मोहित मिश्रा व भारतेंदु मिश्रा समेत चार अज्ञात युवकों से विवाद हो गया।

देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। जिसमें गन्ना पर्यवेक्षक रामसेवक भार्गव, शरद त्रिपाठी, दिनेश सिंह सचान आदि को चोटें आईं। घटना से मेले में अफरातफरी मच गई। मारपीट में कई कुर्सियां भी टूट गई। जानकारी संदना पुलिस को दी गई। पुलिस का सायरन सुनते ही मारपीट कर रहे लोग मौके से भाग निकले। ज्येष्ठ गन्ना पर्यवेक्षक सच्चिदानन्द सिंह समेत गन्ना पर्यवेक्षक सुनील कुमार पाल, हिमांशु, रामसेवक, नीरज, शरद, संजय ने संदना थाने में तहरीर दी है। आरोप है कि मंगलवार दोपहर बाद समिति पर महेंद्र त्रिपाठी के भांजे मोहित मिश्रा मेले में आ धमके। जातिसूचक शब्द कहते हुए गालीगलौज शुरू कर दी। मना करने पर मारपीट पर आमादा हो गए और सरकारी कार्य मे बाधा डालते हुए अभिलेख फाड़ दिए। मोहित मिश्रा ने फोन कर भारतेंदु मिश्रा समेत अज्ञात लोगों को बुला लिया। कुर्सियां उठाकर पर्यवेक्षकों को मारना शुरू कर दिया। जिसमें गन्ना पर्यवेक्षक रामसेवक भार्गव, शरद त्रिपाठी व दिनेश सिंह सचान को चोटें आईं हैं।

रुपये लेकर शादी कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

कानपुर, संवाददाता। रुपये लेकर शादी कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। गिरोह ने दूसरी शादी नहीं करने पर गुरगांव की रहने वाली एक बच्चे की मां की हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने महिला के पति की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। रुपये लेकर शादी कराने का मामला इस क्षेत्र में पहली बार आया है। इस तरह के मामले हरियाणा में होते रहे हैं। आरोपियों ने महिला की हत्या करके शव को ललितपुर के तालबेहट में फेंक दिया था। मंगलवार को शव मिलने के बाद ललितपुर की पुलिस सक्रिय हुई। बताया जा रहा है कि महिला 14 दिन पहले गिरोह के सरगना के घर गई थी। उसे दूसरी शादी के लिए झांसी भेजा गया था। आरोपी ने ही महिला की पहली शादी कराई थी। पहले पति से विवाद के बाद अब दूसरी शादी करा रहा था। महिला के पोल खोलने की धमकी देने के बाद उसकी हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, कानपुर देहात के भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के गुरगांव निवासी नितिन की पत्नी सावित्री उर्फ सुनीता (22) बेटी अंशिका (1) के साथ चार सितंबर को पड़ोस में रहने वाले अखिलेश सचान उर्फ पप्पू के घर जाने की बात कहकर अपने घर से निकली थी। बाद में पता चला कि वह अखिलेश के बेटे रोहित के साथ फोटो खिंचवाने पुखरायां गई है। दोपहर तक घर नहीं आने पर महिला का पति नितिन एक बजे अखिलेश के घर पहुंचा तो उसकी पत्नी विद्या देवी ने सुनीता के घर नहीं आने की जानकारी दी। बताया कि सुनीता गांव के धर्मेंद्र व उसकी पत्नी रानी से मिलने गई है। जबकि विद्या देवी की जेठानी ने सुनीता के आने की जानकारी दी। विद्या देवी की जेठानी ने यह भी बताया कि अखिलेश और उसकी पत्नी रुपये लेकर शादी कराने की दलाली करते हैं।

उधर, मंगलवार की रात ललितपुर जिले के तालबेहट क्षेत्र में राजमार्ग पर रेलवे स्टेशन पुल के आगे सड़क के किनारे झाड़ियों में महिला का शव मिला। एसपी मोहम्मद मुश्ताक ने मामले का खुलासा करने के लिए छह टीमों का गठन किया। पुलिस टीमों ने रात में ही ललितपुर, झांसी व जालौन के टोल प्लाजा व अन्य सीसीटीवी कैमरों के कई सौ किलोमीटर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध कार हौंडा अमेज रंग सफेद की पहचान की गई। साथ ही मृतका की शिनाख्त सुनीता उर्फ सावित्री (22) पत्नी नितिन निवासी ग्राम गुरगांव थाना भोगनीपुर कानपुर देहात के रूप में की गई। पुलिस ने कार को बरामद करते हुए पप्पू सचान उर्फ अखिलेश पुत्र लक्ष्मीनारायण, धर्मेंद्र सचान पुत्र लालता प्रसाद एवं रानी पत्नी धर्मेंद्र निवासीगण ग्राम गुरगांव थाना भोगनीपुर जिला कानपुर देहात को हिरासत में लिया। पूछताछ में पप्पू ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है। वह लोग रुपये लेकर शादी कराते हैं। सुनीता उर्फ सावित्री की शादी करीब दो वर्ष पूर्व उन्होंने नितिन उर्फ सोनू सचान कराई थी। पप्पू ने बताया कि नितिन शराब पीता था, जिस कारण पति–पत्नी में अक्सर वाद–विवाद होता रहता था। इस कारण सुनीता पुनः उसके संपर्क में आई। वह लोग सुनीता को बहला–फुसलाकर झांसी में दूसरी शादी कराने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन सुनीता राजी नहीं हुई और उसने पुलिस में शिकायत करने की धमकी दी थी। भेद खुलने के डर में उन लोगों ने सुनीता को फुसलाकर अपनी कार में बैठाया और झांसी से ललितपुर की ओर आते समय रास्ते में तौलिया से गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया। मृतका की पहचान न हो सके, इसलिए तालबेहट क्षेत्र में सुनसान जगह पर शव को फेंक दिया था। सुनीता की बेटी को तालबेहट में एक सुनसान जगह पर छोड़कर भाग गए थे। हत्याकांड का मात्र आठ घंटे में सफलतापूर्वक खुलासा करने वाली पुलिस टीमों को एसपी ने 25 हजार रुपये का ईनाम दिया है।

मासूम के सामने ही उतारा मां को मौत के घाट

हत्यारोपियों ने कार में सुनीता को उसकी एक साल की पुत्री अंशिका के सामने ही मार दिया था। अंशिका को तालबेहट में सुनसान एरिया में छोड़कर चले गए थे। मृतका वास्तविक रूप से कहां की रहने वाली है इस संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। कुछ लोग उसे गुडगांव का और कुछ सोनभद्र का बता रहे हैं।

बारिश से गिरे मकान, मलबे में दबकर दो की मौत

औरैया, संवाददाता। औरैया जिले में मंगलवार देर शाम से शुरू हुई बारिश मंगलवार की सुबह तक लगातार देखने को मिली। जनपद भर में 15 कच्चे मकान गिरे। अयाना और फफूंद क्षेत्र के गांवों में गिरे मकानों के मलबे में दबकर किसान समेत दो लोगों की मौत हो गई। मैनपुरी के घिरोर थाना क्षेत्र के नायक कुंड निवासी विजय (20) सात साल से अपने मामा नवाब सिंह के घर पर रह रहा था। मंगलवार रात को वह घर में सो रहा था। बुधवार तड़के तीन बजे अचानक मकान की दीवार गिरने से विजय व पास में बंधी बकरी दब गईं। दीवार गिरने की आवाज सुन लोगों ने उसके मलबे से बाहर निकाल पाते तब तक उसकी मौत हो गई। नवाब सिंह ने बताया कि बहन गुड्डी देवी व बहनोई मुकेश की सात साल पहले मौत हो गई थी। तब से विजय यहीं रहने लगा था। यहां रहकर वह बकरी पालन का काम करता था। घटना की जानकारी पर तहसीलदार अजीतमल जीतेश वर्मा, थानाध्यक्ष विनोद कुमार मौके पर पहुंचे। तहसीलदार जीतेश वर्मा ने बताया कि मृतक की रिपोर्ट मंगवाई गई है। मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाई जाएगी। फफूंद क्षेत्र के गांव अटा निवासी किसान श्रीप्रकाश मिश्रा उर्फ कल्लू (58) मंगलवार रात हनुमान मंदिर पर हुए कार्यक्रम से लौटकर घर के बाहर पड़े टीन शेड के नीचे आकर सो गए। बुधवार सुबह लगभग छह बजे तेज बारिश के दौरान कच्ची दीवार टीन शेड समेत गिर गई। इसके मलबे में दबकर श्रीप्रकाश की मौत हो गई। सूचना पर ग्राम प्रधान लायक सिंह के साथ थाना अध्यक्ष गंगादास गौतम मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि श्रीप्रकाश की शादी नहीं हुई थी।

दो गांवों में 13 कच्चे मकान गिरे

अछल्दा प्रतिनिधि के अनुसार तेज बारिश के कारण क्षेत्र के गांव विसरमऊ में जीतू, नरेंद्र, विनोद, अनिल, जयनारायण, दयाराम, पूजा, बालेश्वर दयाल, रेखा, अवधेश, पूजा पत्नी सुनील के कच्चे मकान गिरे। मलबे में दबकर दयाराम के बकरे की मौत हो गई।

इसी गांव की महेश्वर दयाल का पक्की दीवार गिरी। गांव किशोरी पुर्वा में शैलेंद्र नाथ, बाबूजी नाथ का कच्चा मकान गिरा गया। पीड़ित परिवारों ने जिला प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।

हॉस्टल इंचार्ज की गुंडई, कमरे में बंद करके छात्रा को पीटा, मुकदमा दर्ज

मथुरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मथुरा में हॉस्टल इंचार्ज ने छात्रा को कमरे में बंद करके पीटा। अन्य छात्रों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। जो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि छात्राएं गेट खोलकर पीड़िता को बाहर निकालने का प्रयास कर रही हैं। मामले में पीड़िता ने तीन नामजद के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया है। मामला जैंत थाना क्षेत्र के आझई हाईवे लवी हॉस्टल का है। बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा कीर्ति कुमारी सेंगर ने बताया कि वह भूरा नगला रोड, रमनपुर थाना हाथरस गेट, जिला हाथरस की रहने वाली है। वह हाईवे स्थित निजी विश्वविद्यालय से बीटेक तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। वह अगस्त 2022 से आझई हाईवे स्थित लवी गर्ल्स हॉस्टल में रह रही थी। मंगलवार शाम वह हॉस्टल खाली करके हिसाब करके दूसरी जगह शिफ्ट हो रही थी। तभी वहां रह रही रूबी वार्डन ने उस पर टिप्पणी कर दी। इस पर पीड़िता ने उसे जबाव दे दिया। इस पर हॉस्टल इंचार्ज जयपाल, उसका भाई आरके व वार्डन रूबी तीनों ने चौनल का गेट बंद करके उसे पीटा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वत्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।